हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, शनिवार, 12 अप्रैल 2025

10 मोदाश्रम शिव मंदिर के नवर्निर्माण के लिए 14 अप्रैल को होगा भूमि पूजन 10

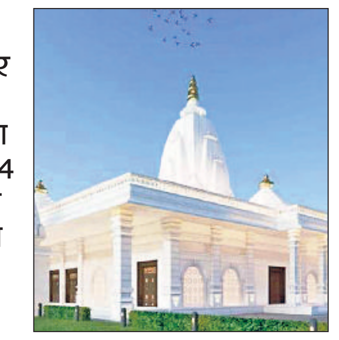

2.60 करोड़ रुपये की लागत से होगा 11 हट्टा बाजार की सड़क का निर्माण

- 20 वर्ष पहले हुआ था सड़क का निर्माण, अभी बन चुके है गहरे गड्ढे, राहगीरों को उठानी पड़ रहीं है भारी परेशानी
- 10 मीटर होगी 11 हट्टा बाजार की चौड़ाई, सड़क निर्माण से पहले दुकानदारों बनाए गए चबूतरे तोड़ सकती है नपा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

नगरपालिका की ओर से 2.60 करोड़ रुपये की लागत से शहर की 11 हट्टा बाजार की सड़क का निर्माण किया जाएगा। नगर पालिका की ओर से टेंडर जारी कर दिया गया। अप्रैल माह के अंत से पहले सड़क का निर्माण कार्य शुरू हो सकता है। 11 हट्टा बाजार की सड़क की चौडाई 10 मीटर होगी। सड़क निर्माण से पहले नपा इस मार्ग पर दुकानदारों द्वारा किए गए पक्के अतिक्रमण के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकती है।

शहर के 11 हट्टा बाजार की सड़क की हालात खस्ता होने के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। शहर का मुख्य बाजार होने के कारण लोगों की

महेंद्रगढ़। जर्जर अवस्था में 11 हट्टा बाजार की सड़क। फोटो: हरिभूमि

परेशानी ओर अधिक बढ़ गई। बता दें कि इस मार्ग को पुराने नारनौल रोड के नाम से जाना जाता है। इस मार्ग पर शहर के मुख्य बाजार भी लगता है। इसके अलावा नारनौल से रेवाड़ी की जाने का भी सबसे छोटा रास्ता है। इस मार्ग पर मसानी चौक, पाठशाला रोड, परशुराम चौक, बास मोहल्ला, सैनीपुरा, गुर्जरों की ढ़ाणी में हजारों की संख्या में लोग रहते हैं। टूटी सड़क के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस मार्ग पर पांच-छह फीट की दूरी पर गहरे गड्ढे बने हुए हैं। यह मार्ग दो महाविद्यालय, मॉडल संस्कृति स्कूल, 148-बी से जोड़ता है। इसके अलावा यह मार्ग 50 से अधिक गांवों को शहर से जोड़ता है। दिनभर इस मार्ग से हजारों की संख्या में वाहन गुजरते हैं। टूटी सड़क के कारण दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। इस मार्ग पर 500 से अधिक दुकानें हैं, जिसके कारण आमजन, दुकानदारों व राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के लोगों की मानें तो करीब 20 वर्ष पहले इस मार्ग पर सड़क का निर्माण हुआ था। इसके बाद नगर पालिका ने इस मार्ग की कभी सुध नहीं ली। सड़क का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद लोगों को काफी फायदा मिलेगा।

टेंडर जारी

नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि 11 हट्टा बाजार की सड़क का टेंडर जारी कर दिया है। सड़क का निर्माण कार्य में करीब 2.60 करोड़ रुपये की लागत आएंगी। सड़क का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद शहर के लोगों को काफी फायदा मिलेगा। दुकानदारों से अपील है कि इस मार्ग पर दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को स्वयं हटा लें। अतिक्रमण हटने के बाद इस बाजार में आने वाले ग्राहकों को काफी सहुलियत होगी।

खबर संक्षेप

आज कनीना मंडी में नहीं होगी सरसों की खरीद

कनीना। खराब मौसम की संभावना को देखते हुए व उठान कार्य में तेजी लाने के लिए 12 अप्रैल को कनीना नई अनाज मंडी में सरसों की खरीद नहीं होगी। यह जानकारी देते हुए मार्केट सचिव विजय सिंह ने बताया कि खराब मौसम की संभावना को देखते हुए व उठान कार्य में तेजी लाने के लिए 12 अप्रैल को नई अनाज मंडी कनीना में सरसों की खरीद नहीं होगी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे इस दिन अपनी फसल को लेकर मंडी में ना आएं।

हनुमान मंदिर में जागरण आज

नारनौल। श्रीश्याम महायज्ञ आयोजन समिति के तत्वावधान में 12 अप्रैल रात को पुलिस लाइन श्री हनुमान मंदिर में जागरण किया जाएगा। समिति के प्रेस सचिव डा. राहुल शर्मा ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर होने वाले इस कीर्तन में मुख्य यजमान श्रीबाला जी मंदिर के पुजारी व मंदिर कमेटी के सदस्य होंगे।

ट्रैक्टर से गिरने पर थ्रेशर मजदूर की मौत

नारनौल। मेघोत हालां के समीप ट्रैक्टर-थ्रेशर से गिरने से उस पर सवार एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक राजस्थान के जिला सीकर की राणा वाली ढाणी का रहने वाला था। राणा की ढाणी से दो व्यक्ति अपना ट्रैक्टर एवं थ्रेशर लेकर नांगल चौधरी क्षेत्र में आए हुए थे। वह गेहूं की लावणी उपरांत गेहूं निकालने का काम करते थे। जब वह मेघोत हाला के समीप से जा रहे थे, तब ट्रैक्टर पर सवार करीब 73 वर्षीय अर्जुन लाल ट्रैक्टर से गिर गया और थ्रेशर के पहिये के नीचे आ गया। गंभीर चोटें लगी और बाद में उसकी मौत हो गई। परिजनों को सूचना मिलने पर वह घटनास्थल पर पहुंचे तथा इसकी पुलिस को सूचना दी।

एसडीएम ने मंडी का निरीक्षण कर ठेकेदार व खरीद एजेंसी को दिए निर्देश

उठान कर रहे ठेकेदार पर वाहन उपलब्ध कराने के नाम पर लगाया पैसे मांगने का आरोप

- सरसों-गेहूं का उठान न होने व मौसम खराबी को लेकर व्यापारियों ने जताई चिंता

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

नई मंडी चेलावास में सरसों खरीद व उठान कार्य को लेकर व्यापारियों ने असंतोष जताया है। स्टेट वेयर हाउस की प्रबंधक सीमा सिंह ने बताया कि अब सरसों की 121953 क्विंटल की खरीद हो चुकी है। जिसमें से 56 हजार क्विंटल का उठान किया जा चुका है। ईधर व्यपारियों ने उठान कर रहे ठेकेदार पर वाहनों की संख्या न बढ़ाने से हो रही परेशानी को लेकर सवाल उठाए हैं। व्यापारियों ने उठान करवाने पर ठेकेदार के वाहन चालकों द्वारा दो से तीन रुपये प्रति बैग के हिसाब से वसूली करने का आरोप लगाए।

मंडी में पड़ी सरसों के उठान को लेकर व्यापारी ठेकेदार को पैसे दे देता है, तो उसके प्लेटफार्म जल्दी खाली करा दिए जाते हैं, जबकि पैसे न देने वाले व्यापारी के प्लेटफार्म पर सरसों के बैग लगे रहते हैं। डिमांड करने के बावजूद भी उन्हें वाहन उपलब्ध नहीं कराया जाता है। इसके अलावा व्यापारियों ने ठेकेदार पर ऑनलाइन कराई गई गाड़ियों की बजाय अन्य वाहनों के गेटपास जारी किए जाते हैं। व्यापारियों ने ऐसी ही स्थिति पुरानी मंडी में की जा रही गेहूं की खरीद को लेकर बयां की है। खरीद कार्यों में धांधली बरते जाने पर उन्होंने सरसों की खरीद एजेंसी स्टेट वेयर हाउस, गेहूं की खरीद एजेंसी फूड सप्लाई, मार्केट कमेटी व एसडीएम से शिकायत की है। व्यापारी श्रीभगवान, रविंद्र बंसल, नितिन व अन्य ने बताया कि मौसम विभाग की ओर से आंधी बारिश व ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। दूसरी ओर उनके द्वारा खरीदी गई सरसों व गेहूं का उठान न होने से बारिश में भीगने की चिंता सता रही है। उठान कर रहे ठेकेदार से डिमांड करने के बाद भी उन्हें वाहन मुहैया नहीं करवा जा रहा है।

कनीना। मंडी में उठान न होने पर पड़ी जिंस दिखाते व्यापारी व सरसों के उठान कार्य को लेकर दिशानिर्देश देते एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत। फोटो: हरिभूमि

क्या कहती है स्टेट वेयरहाउस प्रबंधक

इस बारे में स्टेट वेयर हाउस की प्रबंधक सीमा सिंह ने बताया कि व्यापारियों की ओर से ठेकेदार पर वाहन उपलब्ध न करवाने का आरोप लगाया है। वह आज ही उनके संज्ञान में आया है। हालांकि प्लेटफार्म खाली न होने तथा उठान कार्य के चलते शुक्रवार को सरसों की खरीद नहीं की जा सकी। शुक्रवार को ठेकेदार की ओर से 2500 बैग का उठान किया गया है। उन्होंने कहा कि ठेकेदार ने तीन दिन के अंतराल में खरीदी गई सरसों का उठान कने का आश्वासन दिया है।

किसानों को नहीं आने दी जाएगी परेशानी

इस बारे में गेहूं की खरीद रही एजेंसी फूड सप्लाई के जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक कुशलपाल बूरा ने बताया कि ठेकेदार की ओर से अगर ऐसा किया जा रहा है, तो वह गलत है। गाड़ियों के गेटपास को लेकर अनियमितता बरती गई है तो उसकी जांच कराई जाएगी। इसके अलावा ठेकेदार को वाहनों की संख्या बढ़ाने को कहा गया है। वाहनों की संख्या बढ़ने के बाद उठान कार्य में तेजी आएगी। किसानों को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

क्या कहते है ठेकेदार

इस बारे में उठान कार्य कर रहे ठेकेदार बाबूलाल ने बताया कि व्यापारियों की ओर से लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। गेटपास कटवाते समय चालक ने गलती से अन्य वाहन के नम्बर बता दिए होंगे। फिर भी उनकी ओर से तसल्ली की जाएगी। उनकी ओर से उठान कार्य के लिए वाहनों की बढ़ाई जाएगी।

क्या कहते है एसडीएम

एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि मंडी का निरीक्षण कर ठेकेदार को उठान कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम खराबी को देखते हुए गाड़ियों की संख्या बढ़ाने को कहा गया है। ठेकेदार से उठान कर रही गाड़ियों की लिस्ट मांगी गई है।

तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश, गर्मी से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हरियाणा एनसीआर दिल्ली में मध्यम श्रेणी के पश्चिमी विक्षोभ का असर देखने को मिल रहा है। जिसकी वजह से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में पिछले दो दिनों से जबरदस्त बदलाव देखने को मिल रहा है। जिससे सम्पूर्ण इलाके में तेज गति से हवाएं, अंधड़, हल्की से मध्यम बारिश व गरज चमक के साथ कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की गतिविधियों ने सम्पूर्ण इलाके में झुलसाने वाली गर्मी से आमजन को राहत जरूर मिली। बता दें कि लगातार दो दिनों से पहले नौ अप्रैल को हरियाणा एनसीआर दिल्ली के दक्षिणी हिस्सों महेंद्रगढ़, चरखी दादरी, रेवाड़ी, झज्जर, गुड़गांव, फरीदाबाद, 10 अप्रैल को पंजाब से सटे जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जींद, कैथल, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, अंबाला, सोनीपत, पानीपत, करनाल व एनसीआर दिल्ली तथा शुक्रवार को भी हरियाणा के पश्चिमी व दक्षिणी जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, इसके बाद जींद, कैथल, रोहतक, झज्जर, रात्रि को हरियाणा एनसीआर दिल्ली के पूर्वी व उत्तरी जिलों पर देखने को मिला। शनिवार को भी इस मौसम प्रणाली का असर हरियाणा एनसीआर दिल्ली में देखने को मिलेगा।

मौसम विशेषज्ञ डा. चन्द्र मोहन ने बताया कि एक तरफ जहां आमजन को गर्मी व हीट वेव राहत मिली। वहीं दूसरी ओर लावणी सीजन में इस तरह की गतिविधियों से किसानों की फसलों में नुकसान की भी संभावना बन रही है।

जिले में कितनी बारिश

नारनौल	12.5 एमएम
महेंद्रगढ़	4.5 एमएम
कनीना	6.0 एमएम
अटेली	12.3 एमएम
नांगल चौधरी	6.5 एमएम
सतनाली	4.0 एमएम

हार्ट अटैक से युवक की मौत

नारनौल। नांगल चौधरी क्षेत्र के गांव मोहनपुर में करीब 35 वर्षीय युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। पुलिस ने कागजी कार्रवाई करने उपरांत शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम कराया तथा उसे परिजनों को सौंप दिया। परिजन देवेंद्र ने बताया कि पंकज के पास दो-तीन ट्राले थे और अच्छे पैसे कमाता था। उसकी बीती शाम को अचानक तबीयत खराब हुई, जिस पर उसे नांगल चौधरी के अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसे नारनौल के लिए रेफर कर दिया। परिजन उसे निजी अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह अविवाहित था और वह दो भाई थे। बड़े भाई की इसी वर्ष फरवरी माह में शादी हुई थी। परिजनों ने गांव ले जाकर गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

सिहमा-नारनौल ब्रांच नहर में मरी हुई मुर्गियां डालीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

जिस नहर के पानी को पूरा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र पी रहा है, उसमें आए दिन बोरों में भरकर मरी हुई मुर्गियों डाली जा रही हैं। नारनौल ब्रांच नहर सिहमा के एनबी पंप हाउस चार के समीप नहर के पानी में वीरवार को रात्रि के समय कोई अज्ञात तीन से चार कट्टे मरी हुई मुर्गियों को भरकर डाल गया। डेरोली अहीर के सरपंच लक्खीराम व सिहमा की सरपंच सुमन देवी ने बताया कि नहर में इस प्रकार से मरी हुई मुर्गियों डालना लोगों के स्वास्थ्य के साथ बड़ा खिलवाड़ है। पिछले साल भी नहर में मरी हुए मुर्गियां कट्टे में भरकर डाली गई थी। प्रशासन व संबंधित विभाग ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करें। ऐसा पहली बार नहीं हुआ, बल्कि ऐसा पहले भी हो चुका है। लोगों पर कार्रवाई नहीं से उनके हौसले बुलंद है।

मंडी अटेली। नहर में डाली गई मरी मुर्गियां।

नपा ने कनीना में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

नगर पालिका प्रशासन ने डीएमसी के आदेशानुसार शुक्रवार को दूसरी बार बाजार में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इससे पूर्व बुधवार को अतिक्रमण हटावाते हुए दुकानदारों को दुकान से बाहर सामान न लगाने की हिदायत दी गई थी। अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर मंडी रोड, नपा कार्यालय के नजदीक सहित अन्य स्थानों पर दुकानदारों में हडकंप मच गया। नपा की नवनिर्वाचित चेयरपर्सन व सदस्यों की ओर से इस बारे में काफी चिंतन किया गया था। जिसकी जानकारी डीएमसी को भी दी गई थी। जिन्होंने आमजन की सुविधा के लिए अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। अतिक्रमण हटाओ दस्ते में शामिल सचिव कपिल कुमार, जेई राकेश कुमार, सफाई इंचार्ज सुरेंद्र वशिष्ठ, राकेश कुमार सहित सफाई कर्मचारियों ने दुकानों के बाहर रखे सामान को उठाकर नपा के वाहनों में डालना शुरू किया, तो विवाद हो गया। अंततः अतिक्रमण युक्त सामान को जब्त कर लिया गया।

कनीना। मंडी मार्ग पर दुकान से बाहर रखे सामान को उठाकर वाहन में डालते नपा कर्मचारी।

सोलंकी परिवार ने निकाला बेटी का बनवारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शिक्षा विभाग में कार्यरत मनोज सोलंकी ने बेटी मनीषा की शादी से पहले बनवारा रस्म की। इस बनवारे में बेटी को घोड़ी पर बैठाकर डीजे के धून पर परिजन थिरके। मनीषा के परिवार का यह कदम बेटियों को सामाजिक अधिकार दिलाने का संदेश देता है कि बेटी भी बेटों से कम नहीं हैं। सोलंकी परिवार की इस पहल से समाज में एक नई परंपरा की शुरूआत हो सकती है, जहां बेटियों को समानता और सम्मान के साथ देखा जाएगा।

मनीषा के माता पिता ने अपनी बेटी पर गर्व करते हुए कहा कि उनकी बेटी शिक्षित और संस्कारित है। बेटियां अनेक सामाजिक बंधनों में जकड़ी हुई हैं, उन्होंने बेटी को बंधनों से विमुक्त कर एक स्वस्थ परंपरा की शुरुआत की है। हम चाहते हैं कि हमारी बेटी समाज में समानता और सम्मान के साथ जीने का अधिकार प्राप्त करे। इस पहल से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को भी बल मिलेगा। जिसका उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति लोगों की सोच को बदलना है। यह कदम निश्चय ही महिला सशक्तिकरण, परंपराओं का पुनर्मूल्यांकन करने, समाजिक एकता, महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में भी सहायक रहेगा।

नारनौल। घोड़ी में बैठाकर बेटी का बनवारा निकालते हुए। फोटो: हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पूर्व प्राचार्य ओमप्रकाश मोरवाल, एओ योगेश कुमार, प्रवक्ता सतपाल सिंह, एटीओ महेंद्र सिंह, पत्रकार जितेंद्र सोलंकी, शुभम सोलंकी, हवासिंह, मुकुल कुमार नेवी, प्रवक्ता अविनाश कुमार, प्रवक्ता सुनील कुमार, सचिन कुमार, हनीश कुमार, संयम कुमार, कैलाश देवी, सन्तोष देवी, अंजू देवी, मीना, कुसुमलता, पिस्ता, नीतू, मुस्कान, प्रीति, अंजलि, सोनम आदि मौजूद थे।

जिले के प्रत्येक थानों में उपलब्ध कराई गई फिंगरप्रिंट किट, मामलों को सुलझाने में मिलेगी मदद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पुलिस ने आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिले के सभी पुलिस थानों को आधुनिक फिंगरप्रिंट किट उपलब्ध कराई हैं। यह पहल अपराधों की जांच व मामलों को तेजी से सुलझाने में पुलिस की क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने कहा कि अपराध की जांच में फिंगरप्रिंट एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य है। पहले थानों को फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों व आवश्यक उपकरणों के लिए दूसरे पर निर्भर रहना पड़ता था। जिससे जांच प्रक्रिया में समय लगता था। अब प्रत्येक थाने में फिंगरप्रिंट किट की उपलब्धता से घटनास्थल पर ही फिंगरप्रिंट के नमूने एकत्र करना व उनका प्रारंभिक विश्लेषण करना संभव हो सकेगा।

इसके साथ ही प्रत्येक थानों से एक एक पुलिस कर्मचारी को सिखाया गया है कि किस प्रकार से किट में मौजूद उपकरणों का प्रयोग करके किस प्रकार से फिंगरप्रिंट उठाते हैं। उपपुलिस अधीक्षक मुख्यालय ने थानों से आए पुलिस कर्मचारियों को फिंगरप्रिंट दी और लगन के साथ काम करने को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि फिंगरप्रिंट की सुविधा न केवल जांच की गति को बढ़ाएगी, बल्कि साक्ष्यों की सुरक्षा व सटीकता को भी सुनिश्चित करेगी। इससे अपराधियों की पहचान करने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने में मदद मिलेगी। उपलब्ध कराई गई फिंगरप्रिंट किट आधुनिक तकनीक से लैस हैं और इनमें फिंगरप्रिंट पाउडर, ब्रश, लिफ्टिंग टेप, नमूना कार्ड और अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्रत्येक थाने के कुछ पुलिसकर्मियों को इन किटों के संचालन और फिंगरप्रिंट नमूने एकत्र करने का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया है।

नारनौल। फिंगरप्रिंट किट देते पुलिस अधिकारी।

पहल के मुख्य लाभ

- *जांच की गति में वृद्धि:* घटनास्थल से तुरंत फिंगरप्रिंट नमूने एकत्र किए जा सकेंगे, जिससे जांच में लगने वाला समय कम होगा।
- *साक्ष्यों की बेहतर सुरक्षा:* घटनास्थल पर ही नमूने एकत्र करने से उनके दूषित होने या खोने की संभावना कम हो जाएगी।
- *अपराधियों की त्वरित पहचान:* प्रारंभिक विश्लेषण से संदिग्धों की पहचान करने व उन पर कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।
- *मामलों के निस्तारण में सहायक:* वैज्ञानिक साक्ष्यों की उपलब्धता से अदालती प्रक्रियाओं में मामलों को साबित करना आसान होगा।
- *पुलिस की कार्यकुशलता में वृद्धि:* थानों पर ही आवश्यक उपकरण उपलब्ध होने से पुलिसकर्मी अधिक प्रभावी ढंग से काम कर सकेंगे।

चीता दुनिया का सबसे तेज़ ज़मीनी जानवर है, जो 112 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से दौड़ सकता है।

दुनिया में पक्षियों की 9,500 से ज्यादा प्रजातियां हैं। दुनिया का एकमात्र पंखहीन पक्षी कीवी है।

हिंदी भाषा पसंद है तो इन क्षेत्रों में बनाएं अपना करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

भारत में हिन्दी सबसे महत्वपूर्ण भाषा है। यह भारत की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है और राज्य भाषा का अधिकार रखती है। संसदीय कार्य से लेकर न्यायिक और सरकारी संस्थानों में इसे ऑफिशियल कम्युनिकेशन की तरह उपयोग किया जाता है। हिंदी विश्व स्तर पर तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है, जिसमें लगभग 425 मिलियन लोग इसे अपनी पहली भाषा के रूप में पहचानते हैं और अतिरिक्त 120 मिलियन लोग हिंदी को दूसरी भाषा के रूप में बोलते हैं। हिंदी के क्षेत्र में कई बेहतरीन करियर ऑप्शन मौजूद हैं। इस फील्ड में भी अच्छा करियर बनाया जा सकता है।

ये करियर ऑप्शन

राजभाषा ऑफिसर

ये राष्ट्रीयकृत बैंकिंग संस्थानों में राजभाषा ऑफिसर के रूप में कार्य करते हैं। उनकी नियुक्ति बैंक की सभी शाखाओं में होती है। इनकी प्राथमिक भूमिका ग्राहकों की मदद करने के अलावा रोज के कामों में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देना है। वे विभिन्न आधिकारिक दस्तावेजों का हिंदी में अनुवाद भी करते हैं।

जर्नलिज्म

अगर आप ने हिंदी भाषा में जर्नलिज्म का कोर्स किया है तो आप पत्रकारिता के क्षेत्र में एंकर, न्यूज एडिटर, न्यूज राइटर और रिपोर्टर आदि जैसे कई जॉब प्रोफाइल पर रहकर अच्छी सैलरी हासिल कर सकते हैं। यहां पर आपको न्यूजपेपर, रेडियो चैनलों, समाचार चैनलों, पत्रिकाओं और डिजिटल समाचार मीडिया जैसे कई करियर ऑप्शन मिल जाएंगे।

कंटेंट राइटर/एडिटर

आज के समय में कंटेंट राइटर या एडिटर की जॉब को बेहतर विकल्प माना जाता है। इनका काम ब्लॉग लिखना, मार्केटिंग कॉपी, सोशल मीडिया कॉपी आदि लिखना व उसको एडिट करना होता है। हिंदी या मास कम्युनिकेशन में डिग्री होल्डर्स आसानी से हिंदी कंटेंट राइटर/एडिटर के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। कंटेंट राइटर और एडिटर्स पब्लिकेशन हाउस और मीडिया हाउस व एड एजेंसी में काम कर सकते हैं।

यहां मिलेगा मौका

ट्रांसलेटर

आज जिस तरह से पूरा विश्व का एकीकरण हो रहा है उसमें हिंदी ट्रांसलेटर के लिए करियर के नए रास्ते खुल गए हैं। इस फील्ड में अब काम की कोई कमी नहीं है। हिंदी ट्रांसलेटर के तौर पर आप घर पर बैठकर भी काम कर सकते हैं। हालांकि एक बेहतरीन ट्रांसलेटर बनने के लिए आपकी हिंदी के साथ दूसरी भाषा पर भी अच्छी पकड़ होनी चाहिए। कई बड़ी कंपनियां भी अपने कंटेंट को हिंदी में मुहैया कराने के लिए ट्रांसलेटर को नियुक्त करती हैं।

इंटरप्रिटेशन

इंटरप्रेटर का काम भी ट्रांसलेटर की तरह एक लैंग्वेज का दूसरे लैंग्वेज में अनुवाद करना होता है। हालांकि इंटरप्रेटर लिखकर नहीं बल्कि बोलकर यह काम करते है। एक इंटरप्रेटर उन शब्दों को ट्रांसलेट करता है, जो दूसरा व्यक्ति अलग भाषा में कहता है। आप इंटरप्रेटर के तौर पर राजनयिक मिशनों, संयुक्त राष्ट्र और विदेशी छात्रों के साथ काम कर सकते हैं।

वॉयस ओवर आर्टिस्ट

एंटरटेनमेंट की दुनिया आज बहुत व्यापक हो गई है। हर माह कई विदेशी फिल्में व कार्टून भारत में लांच हो रही हैं। यदि आप में बोलने का स्किल और अच्छी आवाज है, तो आप वॉयस-ओवर को करियर ऑप्शन के रूप में अपना सकते हैं। वॉयस-ओवर कलाकारों की फिल्मों के अलावा रेडियो स्टेशनों, पॉडकास्ट, विज्ञापनों की डबिंग में काफी डिमांड रहती है।

हिंदी टाइपिस्ट/हिंदी स्टेनोग्राफर

हिंदी स्टेनोग्राफर और टाइपिस्ट की डिमांड कई दशकों से बनी हुई है। खास तौर पर सरकारी क्षेत्र में निकलने वाली जॉब में। हिंदी टाइपिंग और स्टेनोग्राफर का कोर्स कर आप अच्छी सैलरी के साथ सरकारी जॉब पा सकते हैं। इसके अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी आप अच्छी तनख्वाह पर नौकरी पा सकते हैं।

स्पीच राइटर

अगर आप में लिखने की क्षमता है तो आप स्पीच राइटर बन सकते हैं। स्पीच लोगों को प्रभावित करने का सबसे महत्वपूर्ण तरीका है। सम्मोहक स्पीच लिखने के लिए लैंग्वेज पर कंट्रोल की जरूरत होती है। अगर आपमें ये काबिलियत है तो आप किसी राजनीतिक पार्टी के साथ जुड़कर स्पीच राइटर बन सकते हैं। वहीं सरकारी क्षेत्र, विज्ञापन एजेंसियों, कॉर्पोरेट में काम भी इनके लिए दरवाजे हमेशा खुले रहते हैं।

नॉवलिस्ट/राइटर/ पोएट

अगर आप को नए तरीके से क्रिएटिव स्टोरी लिखना आता है तो आप हिंदी भाषा में नॉलेज हासिल करने के बाद पोएट/नॉवलिस्ट/राइटर बन सकते हैं। आज के समय में ऑडियोबुक, किंडल सपोर्टिड ई-बुक्स के राइज ने इस फील्ड में लोगों के करियर को एक नया आयाम दिया है।

हिंदी टीचर

हिंदी टीचर की जॉब सदाबहार ऑप्शन है। टीचर बनना सभी को पसंद होता है। अरग आपकी हिंदी में अच्छी पकड़ है तो आप किसी भी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थान में हिंदी टीचर के तौर पर जॉब कर सकते हैं।

राइटिंग

हिन्दी में अच्छी पकड़ रखने वाले लोगों का फिल्म जगत और टेलीविजन के क्षेत्र में खासी डिमांड होती है। आज के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से इस क्षेत्र के करियर स्कोप बढ़ गया है। अगर आप हिन्दी में अच्छे हैं तो आप प्रॉडक्शन हाउस, मीडिया हाउस में स्क्रप्टि राइटिंग, डायलॉग्स या लिरिक्स भी लिख सकते हैं। लेकिन अगर आप स्क्रीन राइटर बनना चाहते हैं तो आपको बीए हिन्दी करने के बाद स्क्रीन राइटिंग कोर्स में पोस्ट ग्रेजुएशन करनी होगी ताकि आपके भीतर लेखन की अच्छी समझ विकसित हो सके।

अध्यापक

हिंदी को पूरा करने के बाद क्लासिक और लोकप्रिय करियर विकल्पों में से एक अध्यापक बनकर आने वाली पीढ़ियों को भाषा का ज्ञान और क्षमता प्रदान करना है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की लोकप्रियता बढ़ने के साथ-साथ भारत से बाहर के छात्रों को हिंदी सिखाने के अवसर भी हैं।

छात्र कर सकते हैं विभिन्न प्रकार के मेडिकल और चिकित्सा से संबंधित कोर्स

बायोलॉजी से 12वीं करने के बाद छात्र को मिलते हैं कई ऑप्शन और करियर विकल्प

जॉब ट्रेंड्स

यही करियर बनाने का सही समय

करियर डेस्क

एक 12वीं कक्षा पास करने के बाद विद्यार्थी के जीवन में अहम बदलाव आते हैं और यही वह मोड होता है, जहां पर खड़े रहकर हर एक विद्यार्थी सोचता है कि अब किस तरफ जाना है क्योंकि 12वीं कक्षा तक का रास्ता आसानी से पास हो जाता है। लेकिन अब 12वीं बायोलॉजी के बाद अनेक सारे रास्ते होते हैं, जिसमें से एक बेहतरीन और अपने लिए सही रास्ते का चयन करना काफी मुश्किल हो जाता है। विद्यार्थी 12वीं तक कुछ ज्यादा भविष्य के बारे में नहीं समझ पाते हैं। इसीलिए अब 12वीं के बाद उन्हें अपने भविष्य के लिए भी रास्ते का चयन करना होता है। तो 12वीं के बाद क्या करें ये हर एक विद्यार्थी के मन में प्रश्न उठता है। बता दे की 12वीं कक्षा निर्धारित किए गए सिलेबस के तहत होती है। 10वीं कक्षा तक का निर्धारित किए गए सिलेबस के आधार पर ही पढ़ाई होती है तथा 10वीं के बाद विद्यार्थी अपनी इच्छा से मौजूद सिलेबस में से किसी सिलेबस का चयन करके उसके तहत आगे की पढ़ाई कर सकते हैं। 10वीं कक्षा के बाद अधिकांश विद्यार्थी बायोलॉजी की तरफ बढ़ते हैं और 11वीं तथा 12वीं कक्षा बायोलॉजी से पास करते हैं। लेकिन 12वीं बायोलॉजी से पास करने के बाद अब आगे क्या करें यह सवाल उनके मन में भी रहता है। बायोलॉजी सिलेबस मेडिकल क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए निर्धारित किया गया है। अगर आप भी डॉक्टर बनना चाहते हैं। मेडिकल या चिकित्सा के क्षेत्र में किसी पद पर कायम होकर अपने बेहतर भविष्य की कल्पना करते हैं। तो 10वीं के बाद बायोलॉजी विषय ही लिया जाता है बायोलॉजी विषय काफी महत्वपूर्ण और कठिन भी होता है तथा कुछ विद्यार्थियों को इसमें रुचि भी आती है। लेकिन 12वीं कक्षा बायोलॉजी में पास करने के बाद अब विद्यार्थी को क्या करना चाहिए इस बारे में भी जान लेना बहुत जरूरी है क्योंकि विद्यार्थी 12वीं बायोलॉजी से पास करने के बाद अनेक सारे रास्ते देख कर यह समझ नहीं पता है कि अब उसे क्या करना चाहिए और उनके लिए कौन सा रास्ता सही है?

बायो से क्या-क्या बन सकते हैं

अगर आप भी बायोलॉजी के विद्यार्थी हैं और अपने 12वीं कक्षा बायोलॉजी सिलेबस के तहत पास कर ली है, तो अब आपके सामने विभिन्न प्रकार के रास्ते हैं इनमें से सही रास्ता कौन सा है? आपको किस पद पर चलना चाहिए? इस तरह के सवाल आपके मन में आते हैं, तो हम आपको बता देते हैं कि बायोलॉजी से 12वीं कक्षा पास करने के बाद आप मेडिकल तथा चिकित्सा के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के पदों पर कार्यरत हो सकते हैं। अगर आप यह सोचते हैं कि सिर्फ एमबीबीएस डॉक्टर ही बन सकते हैं, तो ऐसा आप गलत सोचते हैं। 12वीं कक्षा में बायोलॉजी विषय से सफलता प्राप्त करने के बाद आप विभिन्न प्रकार के मेडिकल और चिकित्सा के क्षेत्र वाले कोर्स कर सकते हैं और उन कोर्स को करके एक बेहतरीन करियर की कल्पना कर सकते हैं। तो आईए जानते हैं

नर्सिंग कोर्स

बायोलॉजी सब्जेक्ट में 12वीं कक्षा पास करने के बाद अधिकांश विद्यार्थियों द्वारा नर्सिंग कोर्स का चयन किया जाता है क्योंकि नर्सिंग कोर्स के तहत विद्यार्थियों को डॉक्टर की सहायता करना सिखाया जाता है कि किस तरह से मरीज के साथ काम करना है। मरीज को किस तरह से आराम देना है और उसका ट्रीटमेंट कैसे करना है। नर्स बनने के लिए नर्सिंग कोर्स करवाया जाता है। इस कोर्स से अस्पताल में डॉक्टर के साथ काम करना सिखाया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद शुरुआती समय में ही आपको आसानी से 25 से 30000 रुपये मिल जाते हैं और अनुभव के आधार पर सैलरी में बढ़ोतरी भी हो जाती है।

साइकोलॉजिस्ट कोर्स

इस भागदौड़ भरी जीवन शैली के कारण लोग मानसिक रूप से परेशान होते हैं, तनाव में आ जाते हैं और उन्हें साइकोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वो साइकोलॉजिस्ट उन्हें मानसिक रूप से उसे सिचुएशन से बाहर निकालने की कोशिश करता है और इसके बदले में वह मोटी फीस लेता है। तो आप भी बायोलॉजी में 12वीं कक्षा पास करने के बाद साइकोलॉजिस्ट बन सकते हैं। इसके लिए आपको बैचलर ऑफ साइकोलॉजी डिग्री कोर्स करना होगा। यह कोर्स तीन वर्ष कोर्स है। इस कोर्स को करने के बाद आपको 2 वर्ष का मास्टर ऑफ साइकोलॉजी कोर्स भी करना होगा, उसके बाद आप साइकोलॉजिस्ट बन जाएंगे।

न्यूट्रिशन एंड डायटिस्ट कोर्स

वर्तमान समय में लोग सही तरह के खाने पीने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं जिसके लिए उन्हें न्यूट्रिशन एवं डाइटिस्ट की आवश्यकता होती है। बता देते हैं कि किसी व्यक्ति को न्यूट्रिशन कितना लेना चाहिए, किस मात्रा में लेना चाहिए, किस समय लेना चाहिए? ये एक न्यूट्रिशन बता सकता है और व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए कौन-कौन सा खाना खाना चाहिए, कितनी डाइट होनी चाहिए, अपनी डाइट में क्या-क्या शामिल करना चाहिए? यह सभी एक डायटिस्ट बता सकता है। इसीलिए इन दोनों को मिलाकर न्यूट्रिशन एंड डायटिस्ट कोर्स बनाया गया है। इस कोर्स को करने के बाद आप लोगों को सही प्रकार से भोजन करना सीख सकते हैं।

बी डी एस कोर्स

बीडीएस का फुल फॉर्म बैचलर ऑफ डेंटल साइंस होता है। यह एक अंडरग्रैजुएट कोर्स है। जो 12वीं के बाद करवाया जाता है यह 3 वर्ष का कोर्स होता है। बैचलर ऑफ़ डेंटल साइंस नाम से ही पता चलता है कि इस कोर्स को करने से दांतों का डॉक्टर बन जा सकता है यानी इस कोर्स में दांतो से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। इस कोर्स के दौरान स्टूडेंट को दांतो से संबंधित बीमारियों की जानकारी दी जाती है। दांतो के मरीज का इलाज कैसे करना है यह भी सिखाया जाता है। आप बैचलर ऑफ डेंटल साइंस कोर्स करके प्राइवेट और गवर्नमेंट हॉस्पिटल में डेंटिस्ट बन सकते हैं। वर्तमान समय में दांतो के डॉक्टर हर महीने 2 से 5 लाख आसानी से कमा लेते हैं।

डर्मेटोलॉजिस्ट कोर्स

अगर आप त्वचा यानी स्क्रीन की बीमारियों का इलाज करने वाला डॉक्टर बनना चाहते हैं यानी आप त्वचा चिकित्सक बनना चाहते हैं, तो यह कोर्स खास आपके लिए हैं। इस कोर्स को 12वीं कक्षा में बायोलॉजी में सफलता प्राप्त करने के बाद किया जा सकता है। इस कोर्स के तहत त्वचा से संबंधित होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जाती है जैसे कि मुंहासे, शरीर में धब्बे, खुजली आदि का इलाज कैसे करते हैं? ये समस्याएं क्यों उत्पन्न होती हैं? इसके लिए कौन-कौन सी दवाइयां हैं? किस तरह की चिकित्सा प्रणाली है? इस बारे में जानकारी दी जाती है। डर्मेटोलॉजिस्टिक बनकर आप हर महीने शुरुआती तौर पर 50000 रुपये से भी अधिक कमा सकते हैं।

रेडियोग्राफी कोर्स

वर्तमान समय में रेडियो ग्राफिक कोर्स करने वालों की डिमांड काफी ज्यादा देखने को मिलती हैं। बता देते हैं कि रेडियोग्राफी कोर्स करने से आपको मरीज के जांच वाली मशीनों का ज्ञान दिया जाता है। आज के समय में जब हम बीमार पड़ते हैं, तो सबसे पहले हमारा एक्स-रे किया जाता है, हमारा बल्ड टेस्ट किया जाता है, सिटी स्कैन किया जाता है, एमआरआई स्केन किया जाता है, लैब टेस्ट किया जाता है और विभिन्न प्रकार के टेस्ट एवं जांच की जाती है। उन सभी के लिए वर्तमान समय में विभिन्न प्रकार की मशीन है और उपकरण आ चुके हैं। इन मशीनों और उपकरणों को चलाने तथा सही ढंग से इस्तेमाल करने के लिए रेडियोग्राफी कोर्स किया गया है। आप इस रेडियोग्राफी कोर्स को करके हर महीने 50000 तक आसानी से कमा सकते हैं।

बी फार्मा कोर्स

बी फार्मा कोर्स को बैचलर ऑफ़ फार्मेसी भी कहते हैं। इस कोर्स की मदद से आपको दवाइयां का ज्ञान हो जाता है। औषधीय का ज्ञान हो जाता है। चिकित्सा और मेडिकल के क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली संबंधित दवाइयां और औषधीय किस समय किस मरीज को कौन सी बीमारी के समय कितनी उपलब्धता के आधार पर देनी होती है। इस बात की जानकारी इस कोर्स में उपलब्ध है। इस कोर्स को करने से दवाइयां के इस्तेमाल के बारे में पूरी जानकारी पता चल जाती है जिसके बाद आप अपना खुद का मेडिकल स्टोर भी खोल सकते हैं या मेडिकल क्षेत्र में काम भी कर सकते हैं। इसके लिए आप डिप्लोमा इन फार्मेसी, बैचलर ऑफ फार्मेसी या फिर मास्टर ऑफ साइंस ऑफ फार्मेसी कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद आप हर महीने 30 से 35000 आसानी से कमा सकते हैं

पैरामेडिकल कोर्स

बायोलॉजी विषय के अंतर्गत 12वीं कक्षा पास करने के बाद पैरामेडिकल कोर्स का चयन भी बड़ी मात्रा में किया जाता है। बता देते हैं कि पैरामेडिकल कोर्स में फार्मेसी नर्सिंग तथा हेल्थ केयर सेक्टर से संबंधित ज्ञान उपलब्ध कराया जाता है। इस कोर्स को करने के बाद आप हेल्थ केयर सेक्टर में बड़े पदों पर नौकरियों का सकते हैं। पैरामेडिकल कोर्स करने के बाद हेल्थ केयर सेक्टर में जॉब करने पर शुरुआती तौर पर आप हर महीने 30 – 35000 हजार रुपए आसानी से कमा सकते हैं और उसके बाद 4-5 साल के एक्सपीरियंस के बाद आप हर महीने एक से डेढ़ लाख रुपए भी आसानी से कमा सकते हैं।

एमबीबीएस कोर्स

एमबीबीएस का फुल फॉर्म बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी होता है। बायोलॉजी में 12वीं कक्षा पास करने के बाद सबसे अधिक चयन किए जाने वाले कोर्स की सूची में सबसे पहले एमबीबीएस कोर्स का नाम ही आता है। लेकिन यह काफी कठिन कोर्स है इसके लिए आपको केंद्रीय स्तर पर आयोजित नीट एंट्रेंस एग्जाम पास करना होगा और उस एग्जाम में अच्छे अंक लाकर मेरिट में भी स्थान बनाना होगा, तभी आप इस कोर्स के लिए इलीजिबल माने जाएंगे। बता दें कि इस कोर्स को करने के लिए 12वीं कक्षा में भी अच्छे अंक प्राप्त करना जरूरी है। इस कोर्स में आपको डॉक्टर बनने से संबंधित पूरी जानकारी बताई जाती है, जिसके बाद आप किसी विशेष स्पेशलाइजेशन के डॉक्टर बन जाते हैं। स्पेशलाइजेशन जैसे कि न्यूरोलॉजिस्ट, कार्डियोलॉजिस्ट, ऑर्थोपेडिक्स, चाइल्ड स्पेशलिस्ट, एनएसथीसिया स्पेशलिस्ट आदि।

खेलों से प्रेरणा लेकर तनाव से निपटें और सकारात्मक सोच अपनाएं

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

जीवन में हर छात्र के सामने कई चुनौतियां आती हैं-पढ़ाई का दबाव, परीक्षा की तैयारी, भविष्य की चिंता और कभी-कभी व्यक्तिगत परेशानियाँ। इन सबके बीच तनाव होना स्वाभाविक है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि खेल सिर्फ शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि मानसिक मजबूती और सकारात्मक सोच के लिए भी एक शानदार जरिया हो सकते हैं? आइए जानते हैं कि कैसे खेलों से प्रेरणा लेकर आप अपने जीवन में तनाव को कम कर सकते हैं और एक सकारात्मक दृष्टिकोण बना सकते हैं।

हार को भी जीत की सीढ़ी बनाएं

खेलों में हर खिलाड़ी को हार और जीत दोनों का सामना करना पड़ता है। सचिन तेंदुलकर, पी.वी. सिंधु या विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों ने भी अपने करियर में कई बार असफलताओं का सामना किया, लेकिन उन्होंने हार को कभी अंत नहीं माना। हार उनके लिए एक सबक थी, एक नई शुरुआत का मौका थी। जब आप पढ़ाई में कम नंबर लाएं या किसी लक्ष्य को हासिल न कर पाएं, तो उसे खेल की तरह देखें। हार से सीखें, अपनी कमियों को सुधारें और अगली बार दोगुनी मेहनत के साथ मैदान में उतरें। यही सकारात्मक सोच आपको आगे बढ़ाएगी।

टीमवर्क से सीखें एकजुटता : क्रिकेट, फुटबॉल या कबड्डी जैसे खेल हमें सिखाते हैं कि अकेले नहीं, बल्कि टीम के साथ मिलकर बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। जब तनाव बढ़ता है, तो अपने दोस्तों, परिवार या शिक्षकों का साथ लें। उनसे बात करें, अपनी परेशानियाँ साझा करें और मदद मांगने में संकोच न करें। जैसे मैदान पर हर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाता है, वैसे ही आपके जीवन में भी लोग आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। यह एकजुटता आपको तनाव से लड़ने की ताकत देगी।

लक्ष्य निर्धारित करें, छोटे कदमों से आगे बढ़ें : खेलों में हर खिलाड़ी का एक लक्ष्य होता है-चाहे वह रन बनाना हो, गोल करना हो या मेडल जीतना हो। लेकिन यह लक्ष्य रातोंरात हासिल नहीं होता।

शारीरिक सक्रियता से दूर करें तनाव

खेल न सिर्फ दिमाग को तरोताजा करते हैं, बल्कि शरीर को भी ऊर्जा देते हैं। जब आप तनाव में हों, तो कुछ देर के लिए किताबें बंद करें और बाहर निकलें। दौड़ें, बैडमिंटन खेलें, या बस अपने दोस्तों के साथ हल्की-फुल्की मस्ती करें। शारीरिक गतिविधि से आपके शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज होता है, जो तनाव को कम करता है और आपको खुश रखता है। रोजाना 20-30 मिनट का खेल आपके दिमाग को शांत करेगा और सकारात्मक ऊर्जा देगा।

अनुशासन और समय प्रबंधन की कला : खिलाड़ी अपने जीवन में अनुशासन और समय का सही उपयोग करना सीखते हैं। सुबह जल्दी उठना, अभ्यास करना, और अपने लक्ष्य पर ध्यान देना यह सब खेल हमें सिखाते हैं। आप भी अपने दिन की योजना बनाएं। पढ़ाई, खेल और आराम के लिए समय निर्धारित करें। जब आपका जीवन व्यवस्थित होगा, तो तनाव अपने आप कम हो जाएगा। अनुशासन आपको यह एहसास दिलाएगा कि आप अपने जीवन के मालिक हैं।

हर दिन खुद को प्रेरित करें : खेलों में खिलाड़ी हर मैच को एक नई चुनौती की तरह लेते हैं। आप भी हर दिन को एक नया मौका मानें। सुबह उठकर खुद से कहें, "आज मैं कुछ नया सीखूंगा, कुछ बेहतर करूंगा।" अपने पसंदीदा खिलाड़ी की मेहनत और संघर्ष की कहानियों को याद करें। उनकी तरह आप भी अपने सपनों के लिए लड़ सकते हैं। यह सोच आपको तनाव से निकालकर सकारात्मक दिशा में ले जाएगी।

सामान्य ज्ञान

1. निम्नलिखित में से वह सागर कौन - सा है, जो भू-बद्ध है ?
(ए) लाल सागर
(बी) तिमोर सागर
(सी) उत्तरी सागर
(डी) अरल सागर

2. अफ्रीका महाद्वीप की सबसे बड़ी झील है -
(ए) विक्टोरिया
(बी) न्यासा
(सी) टंगानिका
(डी) चाड

3. निम्नलिखित में से कौन - सा युग्म गलत है ?
(ए) ग्रेट बीयर - कनाडा
(बी) मिशिगन - यू. एस. ए.
(सी) ओनेगा - ऑस्ट्रेलिया
(डी) टिटिकाका - पेरू-बोलीविया

4. निम्नलिखित में से कौन ईरान की सीमा को स्पर्श करता है ?
(ए) कैस्पियन सागर
(बी) अरल सागर
(सी) बाल्खश झील
(डी) बैकाल झील

5. निम्नलिखित में से किसको 'पर्ल ऑफ़ साइबेरिया' कहा जाता है ?
(ए) बैकाल झील
(बी) ग्रेट वीयर झील
(सी) करदा झील
(डी) लिंकनबर झील

6. किस देश की सीमा कैस्पियन झील से नहीं मिलती है ?
(ए) अजरबैजान
(बी) रूस
(सी) यूक्रेन
(डी) तुर्कमेनिस्तान

7. टान्ले सेप नाम झील निम्नलिखित में से किस देश में स्थित है ?
(ए) थाईलैंड
(बी) कम्बोडिया
(सी) इंडोनेशिया
(डी) लाओस

8. पृथ्वी पर सबसे गहरा स्थल है -
(ए) कैस्पियन सागर
(बी) काला सागर
(सी) मृत सागर
(डी) एजियन सागर

उत्तर 1.(डी) 2.(ए) 3.(सी) 4.(ए) 5.(ए) 6.(सी) 7.(बी) 8.(सी)

खबर संक्षेप

चरखी दादरी। कैलीग्राफी कॉम्पिटिशन में भाग लेते विद्यार्थी।

बीआर स्कूल में कैलीग्राफी प्रतियोगिता

चरखी दादरी। बीआर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिरही कलां में चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज के निर्देश पर इंग्लिश कैलीग्राफी कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया। जिसमें पहली से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। यह कॉम्पिटिशन सुंदर व आकर्षक लिखावट के प्रति जागरूकता और उस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया। विद्यार्थियों ने अपनी लेखन कुशलता का परिचय देते हुए बिना किसी गलती के सुंदर एवं आकर्षक लिखाई में लेख लिखे। प्रत्येक कक्षा अनुसार दर्ष्टि, अंतिम, मानसी, स्नेहा, रावी, आरवी, रितिका, महक ने प्रथम, नायरा, कियारा, अपूर्वा, दीक्षा, अंजलि, रियान, भूमि, याशु, इशिका ने द्वितीय और भूमि, ख़ुशी,सारिका, तनु, करिश्मा, नितिन, निधि, ऋतिक, मीनू, नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यार्थियों ने किया हनुमान चालीसा पाठ

चरखी दादरी। गांधी नगर स्थित आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवा निवृत्त ईटीओ चुन्नीलाल तथा पार्षद नवीन ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विद्यालय परिसर जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा और सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया। मुख्यतिथि चुन्नीलाल ने अपने संबोधन में कहा कि हनुमान चालीसा का पाठ आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करता है, बल्कि सकारात्मक सोच, एकाग्रता को भी बढ़ावा देता है।

केएम पब्लिक स्कूल में मनाई हनुमान जयंती

भिवानी। केएम पब्लिक स्कूल में हनुमान जयंती मनाई। सर्वप्रथम विद्यालय में प्रार्थना सभा में प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों ने हनुमान चालीसा व हनुमान बाहुक का पाठ किया। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने हनुमान जी के गीत पर सुंदर नृत्य प्रस्तुति देकर सारे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने जय श्रीराम व जय हनुमान बोलकर हनुमानजी के प्रति अपने श्रद्धा भाव प्रकट किए। प्रबंधन समिति अध्यक्ष ने कहा कि हनुमान जी का जीवन हमें बल व बुद्धि का सही संतुलन, शक्ति, भक्ति, कर्तव्य तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण, विनम्रता, निष्ठा और मानवता की सेवा जैसे गुणों को विकसित करने के लिए प्रेरित करता है।

पशु-पक्षियों के लिए हो पर्याप्त पानी की व्यवस्था

चरखी दादरी। सभी विभाग अपने स्तर पर संबंधित क्षेत्रों व कार्यालयों में पेयजल सुनिश्चित करें। नागरिकों के अलावा पशुओं और पक्षियों के लिए भी पेयजल की व्यवस्था की जाए। गर्मी के इस मौसम में पेयजल प्रबंध पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने कहा है कि जल प्रबंधन को लेकर कदम उठाने जरूरी हैं और इसका उद्देश्य क्षेत्र में लोगों सहित पशु पक्षियों के लिए पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध करवाना ही है।

कौशल रोजगार निगम से हटाए गए कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन

सौंपा ज्ञापन, सरकार से बहाली और नियमितीकरण की मांग

सरकार ने चुनाव में वादा किया था कौशल के कर्मचारियों को 58 साल तक जोब सिक्योरटी दी जाएगी।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

भिवानी। शहर में प्रदर्शन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

सरकार द्वारा कौशल रोजगार निगम के तहत नियुक्त कर्मचारियों को हटाए जाने के विरोध में आज भिवानी के उपायुक्त कार्यालय पर सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की अगुवाई में ज़ोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला प्रधान सूरजभान जटासरा ने की, जबकि संचालन जिला सचिव सुमेर सिंह आर्य ने किया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा, जिसमें हटाए गए कर्मचारियों की सेवा में बहाली और उनकी नौकरियों को नियमित करने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब कर्मचारी नियमित रूप से काम कर रहे हैं, तो उनकी नौकरी भी पक्की होनी चाहिए। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार ने चुनाव से पहले यह वादा किया था कि किसी भी कर्मचारी को नहीं हटाया जाएगा और उन्हें 58 वर्ष तक की नौकरी सुरक्षा दी जाएगी। लेकिन अब पांच साल भी पूरे नहीं हुए और कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है, जो कि वादाखिलाफी और बेहद निंदनीय कार्य है। सर्व कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी कि यदि हटाए गए कर्मचारियों को बहाल नहीं किया गया, तो 20 अप्रैल को कुरुक्षेत्र स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

भविष्य में किसी कर्मचारी को बिना उचित कारण के हटाया न जाए

प्रदर्शन में बिजली विभाग से अशोक गोयत, रोडवेज से राज्य प्रधान नरेंद्र विनोद, डिपो प्रधान अनिल फौजी, पटवार एवं कानून संगठन से विकास राठी, पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल यूनियन से सोमबीर पालुवास, पब्लिक हेल्थ से जिला प्रधान अनिल बागड़ी, और अन्य विभागों से जुड़े सैकड़ों कर्मचारियों ने भाग लिया। सर्व कर्मचारी संघ ने मांग की कि सभी विभागों में कार्यरत अस्थाई कर्मचारियों के लिए एक समान नियमितीकरण नीति लागू की जाए और भविष्य में किसी कर्मचारी को बिना उचित कारण के हटाया न जाए।

शिक्षित बनने की यात्रा पर चलकर ही राष्ट्र की तरक्की सुनिश्चित की जा सकती: संभ्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

विद्यार्थियों को स्टेशनरी देते पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी।

संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर व महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती के उपलक्ष्य में पालेराम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शुक्रवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान स्थानीय दादरी गेट स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में विद्यार्थियों को स्टेशनरी किट वितरित की, जिसमें कॉपियां, पेंसिलें, पेन, रंग, रबर और अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री शामिल थी। ट्रस्ट के संस्थापक सुरेंद्र संभ्रवाल ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के महत्व को बढ़ावा देना और बच्चों को अध्ययन के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने महात्मा फूले और डा. अंबेडकर के जीवन, संघर्ष और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। संभ्रवाल ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर व महात्मा ज्योतिबा फूले ने हमेशा शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर दिया, उनका मानना था कि शिक्षा मात्र एक यात्रा नहीं, ये परिवर्तन की कहानी है तथा शिक्षित बनने की यात्रा पर चलकर ही राष्ट्र की तरक्की सुनिश्चित की जा सकती है। महापुरुषों के दिखाए मार्ग पर हुए उनकी विचारधारा को आगे बढ़ाकर युवा पीढ़ी को सकारात्मक संदेश दिया जा सकताहै।

बैशाखी की पूर्व संध्या पर डीपीएस में कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भिवानी। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, भिवानी के प्रांगण में प्राचार्य डॉक्टर निर्मला नीतू के मार्गदर्शन में 'बैसाखी - पर्व के पूर्व दिवस पर एक विशेष प्रार्थना- सभा का आयोजन अत्यधिक हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस प्रार्थना सभा का विशेष आकर्षण यह था कि इसे प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा अत्यधिक उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया था।इस अवसर पर कक्षा पांचवी की छात्राओं भव्या , स्वाति ,नव्या ,तनिष्का, गुनिशा ,फाल्गुनी, रिद्धिमा ,देवांशिका ,पल्लवी, नायरा और आलिया ने पंजाबी गीत पर रंगारंग नृत्य प्रस्तुत कर सभा में उपस्थित सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कक्षा चौथी की नन्ही - मुन्नी छात्रा अवनी ने 'तैनु गड्डे ते पंजाब घुमा द्यां हानियां' गीत पर व कक्षा चौथी की ही छात्रा मिशिका ने हौले - हौले गिद्दे विच नच पतलोनी' गीत पर अपनी नृत्य प्रस्तुतियां देकर सभी को अभिभूत कर दिया। इस अवसर पर कक्षा पांचवी के छात्र एकम ने पंजाबी में बैसाखी - पर्व पर अपने विचार व्यक्त किए ।

खुद नहर की सफाई कर दे रहे स्वछता का संदेश

- नहर में धर्म व आस्था के नाम से विसर्जित की जाने वाली मूर्तियों, हवन सामग्री से अटी पड़ी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

भिवानी। आस्था के नाम पर नहर में डाला गया कचरे को निकालते हुए।

पहला सुख निरोगी काया वाली कहावत सभी ने सुनी होगी। पर इस कहावत पर अमल बहुत कम लोग करते हैं। क्योंकि इस कहावत पर अमल करने के लिए या कहें कि निरोग रहने के लिए अपने शरीर व आसपास के वातावरण को सही व साफ सुथरा रखना पड़ता है। ये कमी चंद लोग करते आए हैं और चंद लोग ही कर रहे हैं। इन चंद लोगों में शहर की फ्रैंड्स कॉलोनी के कुछ लोग हैं। जो अपने घरों के पास से गुज़रने वाली नहर को हर साल गर्मी शुरू होने से पहले खुद साफ करते हैं। ये लोग इस साल भी एक सप्ताह से नहर की सफ़ाई में जुटे हैं। नहर की सफ़ाई में जुटे फ्रैंड्स कॉलोनी निवासी रिटायर्ड मास्टर कुलदीप, रिटायर्ड सूबेदार वजीर, छोटूराम घनघस, मनीष मलिक, नरेन्द्र शास्त्री, मंजीत नेहरा व दीपू फौजी ने बताया कि साल भर में नहर में काफी गंद आ जाता है। जिससे जब भी नहर का पानी आता है, वो गंदा हो जाता है। यही नहीं, इस गंदगी से नहर में खतपतवार उग जाती है,

जो पानी के बहाव में रुकावट पैदा करती है। इन लोगों का कहना कि ये समस्या सबसे ज़्यादा नहर में धर्म व आस्था के नाम से विसर्जित की जाने वाली मूर्तियों, हवन सामग्री आदी से ज़्यादा बढ़ती है।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री के स्मारक के किए दर्शन

स्व. लाल बहादुर शास्त्री के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़े युवा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

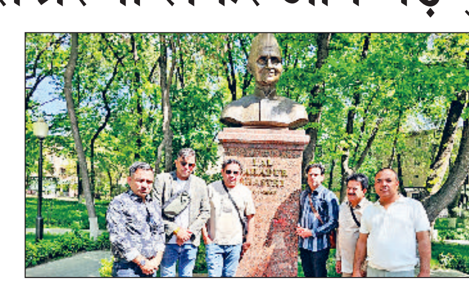
पूर्व पीएम स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की कार्यप्रणाली व जीवन चरित्र से न केवल भारतवासी, बल्कि पूरा विश्व प्रभावित है, जिसके चलते ताशकंद (उज्बेकिस्तान) में उनका भव्य स्मारक बनाया गया है, ताकि युवा स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री के जीवन आदर्श से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ सकें, ये बात अधिवक्ता मुकेश गुलिया ने पांच दिवसीय ताशकंद यात्रा के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री स्मारक के दर्शन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि पांच दिवसीय यात्रा में भिवानी से छह अधिवक्ताओं का दल रवान हुआ था, जो 13 अप्रैल को भारत वापसी करेगा। दल में उनके अलावा महिपाल सिंह तंवर, रविंद्र पपोसा, अमित ढुल, वीरेंद्र दुहन, विरेंद्र तंवर भी साथ हे।

एचडी विद्यालय बिरोहड़ में मनाया बैसाखी उत्सव

चरखी दादरी। एचडी स्कूल बिरोहड़ में निदेशक बलराज फौगाट की अध्यक्षता में बैसाखी उत्सव के महत्व मनाया गया। बलराज फौगाट ने कहा कि बैसाखी मुख्य रूप से फसलों की कटाई के समय मनाया जाने वाला पर्व है और यह विशेष रूप से पंजाब की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। यह पर्व हम सभी को आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश देता है। कार्यक्रम का सफल संचालन प्राइमरी हेड कविता जांगड़ा के निर्देशन में किया। बैसाखी उत्सव के अवसर पर विविध सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सबसे बड़ा आकर्षण कक्षा दूसरी के छात्रों द्वारा प्रस्तुत किया गया रैंप वॉक रहा, जिसमें बच्चों ने पंजाबी संस्कृति के पारंपरिक परिधानों को पहनकर मंच पर रैंपवॉक किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती छात्रा।

बवानी खेड़ा के विकास पर नपा की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

भिवानी। नप कार्यालय में आयोजित बैठक उपस्थित चेयरमैन व अन्य लोग।

बवानी खेड़ा के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर नगर पालिका स्तर की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में नगर पालिका के सभी कर्मचारियों को आमंत्रित किया गया, जहां सफाई व्यवस्था, बुनियादी सुविधाओं, जल निकासी, सार्वजनिक स्वास्थ्य और अन्य विकास कार्यों पर गहन चर्चा की गई। बैठक में नगर पालिका के कर्मचारियों ने बवानी खेड़ा को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव दिए। खासतौर पर सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने, सीवरेज एवं ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत करने, कचरा प्रबंधन को व्यवस्थित करने और नागरिक सुविधाओं में सुधार को लेकर कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में नगर पालिका के क्लर्क कपूर सिंह, अजीत सिंह, अकाउंटेंट शिवपाल, जेई सुरेंद्र सहित बवानी खेड़ा के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

लिटिल हार्टस कॉन्वेन्ट व इन्टरनेशनल स्कूल में मनाया गया बैशाखी पर्व

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते अतिथि।

लिटिल हार्टस कॉन्वेन्ट स्कूल व सेक्टर-13 स्थित लिटिल हार्टस इन्टरनेशनल स्कूल में बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर विभिन्न गतिविधियों व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। विद्यालय के एमडी पवन गोयल व भावना गोयल ने बताया कि बैसाखी पर्व पर विभिन्न कक्षाओं में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जिनमे से प्रथम कक्षा की शीट मेकिंग ऐक्टीविटी, द्वितीय कक्षा की नृत्य प्रतियोगिता मुख्य रही। प्रतियोगिताओं में बच्चों ने एक से बढ़कर अपनी प्रतिभा के जोहर दिखाए व सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने आकर्षक परिधानों में बड़े ही उत्साह के साथ झुम-झुमकर बैसाखी पर्व मनाया।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

- बीआरसीएम शिक्षण समिति, बहल के जीडीसी मेमोरियल महाविद्यालय में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बहल

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि व अन्य।

बीआरसीएम शिक्षण समिति, बहल के जीडीसी मेमोरियल महाविद्यालय में आयोजित "बुनियादी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में प्रगति" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन समारोह संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. जे. पी. यादव, पूर्व कुलपति, इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, मीरपुर रेवाड़ी रहे व कहा, आज का युग विज्ञान का है। रसायन, कंप्यूटर, पर्यावरण, अंतरिक्ष विज्ञान के साथ-साथ हमें अपने प्राचीन वैज्ञानिक ज्ञान और विचारधारा को भी आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने नासा, यूरेनियम, थोरियम, हाइड्रोजन मिशन, और फंडामेंटल रिसर्च जैसे क्षेत्रों में हो रहे वैश्विक अनुसंधानों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. संजीव कुमार, डीन, बायोटेक्नोलॉजी, चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी मंच पर उपस्थित रहे और कहा कहा, विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं है, यह मानव प्रवृत्ति और चिंतन की मूल प्रकृति है। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच को जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एस. के. सिन्हा, निदेशक, बीआरसीएम शिक्षण समिति ने की व अतिथियों का स्वागत एव परिचय कराया नवीन रुझानों, नवाचारों और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर चर्चा की।

पीएम की रैली रिकॉर्डतोड़ होगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| तोशाम

भिवानी। पीएम की रैली का निमंत्रण देते हुए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 14 अप्रैल को हरियाणा के पहले हवाई अड्डे का लोकार्पण करने तथा बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती को मनाने के लिए हिसार आएंगे। प्रधानमंत्री की इस रैली का ऐतिहासिक और भीड़ के हिसाब से रिकॉर्ड तोड़ होने का अनुमान लगाया जा रहा है। तोशाम विधानसभा क्षेत्र से अधिक से अधिक लोगों को हिसार की रैली में पहुंचने के लिए राज्यसभा सांसद किरण चौधरी कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के निर्देश पर तोशाम हलके के संयोजक एडवोकेट हरि सिंह सांगवान ने शुक्रवार को तोशाम की अनाज मंडी में कार्यकर्ताओं की बैठक ली।

रैला को लेकर श्रुति चौधरी बैठक कर रही

उन्होंने बताया कि राज्यसभा सांसद किरण चौधरी व कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी भी 14 अप्रैल को होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली को लेकर कार्यकर्ताओं से दूरभाष पर संपर्क कर रही हैं और हिसार रैली में जाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं को न्योता दे रही है। भाजपा संयोजक हरि सिंह सागवान ने कहा कि तोशाम हल्के में 40 बस व 50 पर्सनल गाड़ियों की जिम्मेवारी कार्यकर्ताओं को लगाई, करीब तीन हजार कार्यकर्ता 14 अप्रैल को हिसार में प्रधानमंत्री की रैली में शामिल होंगे।

शौचालय में साढ़े तीन से चार फुट ऊंचे लगाए गए नल की नहीं कोई आवश्यकता

बस स्टैंड के शौचालय की इंग्लिश सीट से ऊंचा नल बना परेशानी

उठते समय सिर में चोट लगने की संभावनी बनी रहती है।

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिवानी

बस स्टैंड पर पुरुष शौचालय की इंगलिश सीट के ऊपर लगी टॉटी।

आमतौर पर हम सोशल मीडिया पर ऐसी चीजें देखते हैं, जो हंसी का पात्र बन जाती हैं। कहीं किसी घर बनाने वाले मिस्त्री के कारनामे नजर आते हैं तो कहीं बिजली वालों के कारनामे दिखाई पड़ते हैं, ऐसा ही कारनामा भिवानी के बस अड्डे पर एक पलम्बर ने किया हैं, जो हंसी का पात्र और परेशानी का सबब बन रहा हैं। शौचालय की इंगलिश सीट में वैसे तो टॉटी की आवश्यकता ही नहीं होती, फिर भी साफ सफाई के लिए लगाई भी जाए तो मात्र एक फुट ऊंचाई ही काफी होती हैं, लेकिन यहां पलम्बर ने साढ़े तीन से चार फुट ऊंचाई पर टॉटी लगाई हैं, जो टपकने के कारण सीट पर बैठे व्यक्ति के जूते व कपड़े भिगौती हैं और उठते समय उसके सिर में चोट लगकर गंभीर रूप से घायल होने कारण बन सकती हैं।

उल्लेखनीय हैं कि बस अड्डे के पुरुष शौचालय में उलटे हाथ की तरफ आखिरी टॉयलेट में इंगलिश सीट लगी है। टॉयलेट में पलम्बर ने ऐसा कारनामा किया, जो किसी को हजम नहीं हो रहा है। आमतौर पर इंगलिश सीट वाले टॉयलेट में नल की कोई जरूरत नहीं होती, फिर भी साफ-सफाई के हिसाब से फर्श से एक फुट ऊंचा नल लगा दिया जाता है, ताकि पानी लेकर सफाई की जा सके। बस अड्डे के शौचालय में पलम्बर ने फर्श से करीब साढ़े तीन से चार फुट ऊंचा नल लगा दिया है। टॉयलेट सीट पर बैठकर उठते समय वह नल कभी भी किसी के सिर में लग सकता है और सिर में गंभीर चोट लगकर बड़ा हादसा हो सकता है। साथ ही उस नल में लीकेज के कारण पानी टपकता रहता है, जिससे सीट पर बैठे व्यक्ति के जूते व कपड़े खराब होते हैं। शौचालय में लगे नल को देखकर ऐसा प्रतीत होता हैं कि काम को सिर्फ पलम्बर के सहारे ही छोड़ दिया गया, जबकि उन्हें कार्य होने की निगरानी रखनी चाहिए थी या फिर कार्य पूरा होने के बाद उसे देखकर पेमेंट करनी चाहिए थी। पलम्बर ने ऐसा काम कर दिया जो यात्रियों की सुविधा से ज्यादा दुविधा बना हुआ है लगता हैं बस स्टैंड पर किसी यात्री ने इस समस्या को बस अड्डा के कर्मचारियों और अधिकारियों तक नहीं पहुंचाया और रोडवेज के अधिकारियों व कर्मचारियों ने खुद भी इस ओर ध्यान नहीं दिया। ये लापरवाही बहुत बड़े हादसे कारण बन सकती है।

टोटी को जल्द हटवा दिया जाएगा

समस्या आपके माध्यम से संज्ञान में आई हैं कि पुरूष शौचालय में गलत तरीके से टॉटी लगाई गई हैं, जिसकी कोई आवश्यकता नहीं हैं, इसे जल्द से जल्द हटवा दिया जाएगा और यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। -ओमबीर सिंह, बिल्डिंग कलर्क, रोडवेज भिवानी।

बौंदकलां आदर्श स्कूल में मनाया बैसाखी पर्व

चरखी दादरी। कस्बा बौंदकलां स्थित आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को संविधान के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती एवं बैसाखी पर्व की धूम रही। इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण को फुलकारी, किसानों के कट आउट, ढोल और गुब्बारों से सजाया गया। विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय निदेशक प्रताप सिंह यादव ने डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम पेश किए। विद्यार्थियों ने पंजाब व हरियाणा की पारंपरिक वेशभूषा पहनकर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत करते हुए पंजाब व हरियाणा की संस्कृति को दर्शाया। विद्यार्थियों ने बैसाखी व डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन पर भाषण देने के साथ ही उनके जीवन पर आधारित झांकियां भी पेश की।

सार्वजनिक सूचना

मैं मनजीत सिंह पुत्र स्वर्गीय महेन्द्र सिंह निवासी मोहल्ला गुरु नानक पुरा वार्ड न. 18 नारनौल जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) बयान करता हूं कि मेरे पिता महेन्द्र सिंह पुत्र दुला सिंह का देहान्त 22-05-2020 को हो गया था। मेरे पिता जी के निम्नलिखित वारिस हैं:-

(1) अमृत कौर पत्नी स्वर्गीय महेन्द्र सिंह

(2) इंद्रजीत सिंह

(3) मनजीत सिंह

पुत्रान स्वर्गीय महेन्द्र सिंह है। इनके अलावा और कोई वारिस नहीं है।

खबर संक्षेप

खंड शिक्षा अधिकारी ने किया स्कूल का औचक निरीक्षण

नारनौल। खंड शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगलकाठा का औचक निरीक्षण किया। सभी अध्यापक अपनी कक्षाओं में पाए गए। उन्होंने नामांकन अभियान का फीडबैक लेने के लिए सभी स्टॉफ सदस्यों की बैठक ली और नए प्रवेश लेने वाले बच्चों की जानकारी ली।

सड़क हादसे में घायल ने तोड़ा दम

मंडी अटेली। घिलोठ कंपनी में काम करके वापस अपनी बाइक से घर आ रहे युवक को बिहाली के समीप टेंपो ने टक्कर मार दी। बाइक सवार युवक की 14 दिन उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक युवक के पिता ने शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस में दर्ज शिकायत में अटेली मंडी के वार्ड नंबर आठ निवासी ऋषिराज ने बताया कि उसके दो लड़के हैं। उसका बड़ा बेटा आर्मी में हैं तथा उसका छोटा बेटा घिलोठ कंपनी में काम करता था, जो प्रतिदिन घर वापस आता था। गत 28 मार्च को जब वह वापस घर वापस आ रहा थ।

आरोपित से अवैध हथियार बरामद

नारनौल। सीआईए पुलिस ने नौ अप्रैल को अवैध हथियार रखने के मामले में थाना शहर क्षेत्र में छोटा बड़ा तालाब के पास से एक आरोपित राहुल वासी मोहल्ला फलसा संघीवाड़ा को अवैध हथियार देसी पिस्टल व जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था। आरोपित के खिलाफ थाना शहर में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

बास सतनाली खेल नर्सरी में कबड्डी ट्रायल आज

सतनाली मंडी। गांव बास सतनाली खेल नर्सरी में कबड्डी ट्रायल का आयोजन किया जाएगा। कोच मोहन ने बताया कि खेल विभाग की ओर से खेलों के प्रति रूझान बढ़ाने के उद्देश्य से खेल नर्सरियां अलॉट की गई हैं।

क्षेत्र के सिद्ध संतों के कर कमलों द्वारा होगा शिलान्यास

मोदाश्रम शिव मंदिर के नवनिर्माण के लिए 14 अप्रैल को होगा भूमि पूजन

नव निर्माण कार्य के लिए 11 सदस्यों की एक कमेटी भी बनाई गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

क्षेत्र की सबसे बड़ी आस्था का केंद्र मोदाश्रम शिव मंदिर का नव निर्माण किया जाएगा। 14 अप्रैल को मंदिर के नवर्निर्माण के लिए भूमि पूजन किया जाएगा। यह भूमि पूजन क्षेत्र के साधु संतों और शिव भक्तों की उपस्थिति में किया जाएगा। मोदाश्रम समिति के प्रधान सुधीर दीवान ने बताया कि क्षेत्र वासियों के सहयोग से मोदाश्रम मंदिर का नवर्निर्माण किया जा रहा है। भूमि पूजन के दिन क्षेत्र के प्रसिद्ध संत महंत कपूर गिरी महाराज, विट्ठल गिरी महाराज, ज्ञानेश्वर गिरी, भवानी शंकर गिरी, शंकर गिरी, योगी वचनाईं नाथ शामिल होंगे। इसके अलावा क्षेत्र के राजनीतिक दल, सामाजिक और धार्मिक लोगों को भी निमंत्रण दिया जा रहा है। इस नव निर्माण कार्य के लिए 11 सदस्यों की एक कमेटी भी बनाई गई है। इस कमेटी में सुभाष अग्रवाल, तोताराम कैलाशी, सुजान ठेकेदार, सुनील यादव, राजेंद्र गर्ग, विष्णु सोनी, भूषण गोयल, महेश अरोड़ा, नरेश चेयरमैन, सुनील सैनी तथा सुशील शर्मा को शामिल किया गया है। यह कमेटी मंदिर के नव निर्माण का सारा कार्य देखेगी।

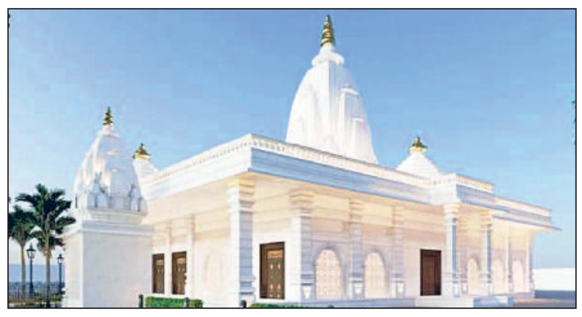

महेंद्रगढ़। नए बनने वाले मंदिर का संभावित प्रारूप। फोटो : हरिभूमि

मोदाश्रम को किया जा रहा है विकसित

मोदाश्रम परिसर को समिति की ओर से धीरे-धीरे विकसित किया जा रहा है। मोदाश्रम समिति द्वारा लगभग दो एकड़ भूमि पर एक शिव पार्क विकसित किया जा रहा है। महेंद्रगढ़ शहर से जहां पर सुबह-शाम क्षेत्र के काफी लोग घूमने फिरने आते हैं। पार्क में लगभग 51 फुट ऊंची भगवान शंकर की मूर्ति लगी हुई है। अब इस प्राचीन शिव मंदिर का नव निर्माण का काम शुरू किया जाएगा। इसके अलावा नगर पालिका की ओर से भी मंदिर परिसर के पास एजेंसी द्वारा सर्वे करवाया गया है ताकि इस स्थान को विकसित कर धार्मिक टूरिज्म पैलेस बनाया जा सके।

125 साल पहले हुई थी मंदिर की स्थापना

मोदाश्रम मन्दिर की स्थापना लगभग 125 वर्ष पूर्व हुई थी। इस मंदिर की स्थापना से पूर्व की एक घटना है कि गुलाब राय लोहिया नामक व्यक्ति उस समय बुचयावाली मंदिर में सुबह शाम जाते थे और आते-जाते कुछ क्षण के लिए दोहान नदी के पास पीपल के पेड़ के नीचे विश्राम के लिए बैठ जाते थे। एक दिन गुलाब राय को स्वप्न में भगवान शिव का दृष्टांत हुआ। स्वप्न में उन्हें लगा जिस पीपल के पेड़ के नीचे वो विश्राम करते थे वहां एक आवाज आई कि मुझे इस मिट्टी के टीले के नीचे से निकाल ले। तब गुलाब राय ने अपनी इस घटना को बड़े बुजुर्गों और विद्वानों को बताई। विद्वानों और बुजुर्गो के कहने पर उन्होंने वहां पर खुदाई करवाई और वहां पर एक लगभग चार-पाच फीट की एक मंढी निकली। इसके बाद गुलाब राय सहित सभी लोगों ने वहां पर दोनों समय जल चढ़ाना व पूजा अर्चना शुरू कर दिया। गुलाब राय के कोई संतान नहीं थी। उनका वंश रुका हुआ था उनके परिवारजनों ने बताया कि उनके दादा गुलाब राय खुद दत्तक पुत्र थे। उन्होंने बताया कि उनको एक दिन फिर भोले शंकर स्वप्न में दिखाई दिए और कहा कि मैं तूझे एक बेटा देता हूं इसका नाम भोला रखना। ठीक एक वर्ष बाद उनको पुत्र की प्राप्ति हुई और उनका नाम भोला रखा। इसी खुशी में गुलाब राय ने अपने खर्चे पर यहां मोदाश्रम के बाहर मेला लगवाना शुरू किया।

मोदाश्रम है आस्था का केंद्र

मोदाश्रम मंदिर शहर की आस्था का केंद्र है। लगभग 6 एकड़ भूमि पर फैले इस मंदिर मे सुबह शाम हजारों श्रद्धालु भगवान चंद्रमौली पर जल चढ़ाने के लिए आते हैं। यहां आने वाले लोगों को एक आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। सच्चे मन से यहां आने वाले हर भक्त की मनोकामना पूर्ण होती है। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर यहां हर वर्ष दो बार मेले का आयोजन होता है। श्रावण माह में आने वाली शिवरात्रि पर क्षेत्र के लोग गोमुख और हरिद्वार से गंगाजल लाकर भगवान चंद्रमोली पर चढ़ाते हैं। अब तक 228 मेले लगाए जा चुके हैं। मंदिर के बिल्कुल सामने करंट बालाजी के नाम से भी मंदिर है जहां बालाजी महाराज की मूर्ति विराजमान है।

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे व स्कूल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा स्कूल में मनाई हनुमान जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मोहल्ला चौधरीयान स्थित हरियाणा सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में शुक्रवार को भगवान हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर फैंसी ड्रैस, दोहा-चोपाई व लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जन्मोत्सव की शुरूआत विद्यालय चेयरमैन हितेन्द्र शर्मा, निदेशिका संगीता शर्मा व प्राचार्य अवनीश कुमार ने हनुमान जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत करते हुए विद्यालय चेयरमैन हितेन्द्र शर्मा व श्रीमती संगीता शर्मा ने बताया कि भगवान हनुमान अजर-अमर है। उन्होंने शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में माता अंजना की कोख से जन्म लिया है।

उन्होंने बताया कि हिन्दू धर्म में हनुमान जन्मोत्सव की विशेष मान्यता है। हनुमान जी को शक्ति, भक्ति और साहस का प्रतीक माना जाता है। हनुमान जी के चरित्र की सबसे बड़ी विशेषता उनका शक्तिमान होना ही नहीं, बल्कि उनके ज्ञान के साथ ही गुणों का भी सागर होना है। प्राचार्य अवनीश कुमार ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमान जी की पूजा करने से संकट, भय, रोग-दोष आदि सब दूर होते है और मनोकामनाएं पूरी होती है। उन्होंने हनुमान जी के जीवन की कुछ घटनाओं के बारे में विस्तार से बताया। विद्यालय प्रबंधन, समस्त स्टाफ व विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए श्री हनुमान चालीसा, श्रीराम स्तुति, हनुमान जी की आरती का पाठ किया। विद्यार्थियों को हनुमान चालीसा की किताब व प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर रामनिवास डीपीई, संजय कुमार, अशोक यादव, नरेश कुमार, दीपक कुमार, लोकेश कुमार, शुभराम यादव, जोगिंद्र कुमार, मुकेश कुमार, वन्दना सैनी, अल्पना शर्मा, लक्ष्मी चौहान, सुमन सैनी, मोनिका शर्मा आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। ज्योतिबा फुले के चित्र पर पुष्प करते स्कूल स्टॉफ सदस्य।

बचपन प्ले स्कूल में मनाई ज्योतिबा फुले की जयंती

महेंद्रगढ़। मोहल्ला जवाहरनगर स्थित बचपन प्ले स्कूल व ओम साईंराम अकैडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल के प्रांगण में महान समाजसेवी ज्योतिबा फुले की जयंती बहुत ही धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय संस्थापक शेरसिंह सैनी, चेयरमैन रमेश सैनी, प्रवक्ता अमरसिंह सोनी, रोशनलाल सैनी एवं रतनलाल स्वामी सहित समस्त स्टाफ ने महान समाजसेवी ज्योतिबा फुले की जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उन्हें नमन किया। इस दौरान बच्चों द्वारा कविता, गीत, भाषण और नृत्य आदि विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए गए। चेयरमैन रमेश सैनी एवं चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि महात्मा ज्योतिबा फुले न सिर्फ एक समाजसेवी थे, बल्कि वे एक प्रख्यात शिक्षाविद्, लेखक और विचारक भी थे। 19वीं शताब्दी में जब समाज जाति और लैंगिक भेदभाव से जूझ रहा था, तब ज्योतिबा फुले ने सामाजिक न्याय शिक्षा और समानता के लिए निर्णायक आंदोलन खड़ा किया था।

मां शेरावाली व खाटू श्याम की मूर्ति स्थापित, निकाली कलश यात्रा

- आज सुबह हवन के बाद दोपहर 12 बजे भोग लगाकर शुरू होगा देशी घी का भंडारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सलामपुरा युवा संगठन की ओर से मौहल्ला सलामपुरा स्थित हनुमान मंदिर में दो दिवसीय हनुमान महोत्सव शुक्रवार आरम्भ हो गया। माता शेरावाली एवं बाबा श्याम की मूर्ति को स्थापित करने से पहले मूर्ति को शुद्ध किया गया।

इसके बाद मंदिर पुजारी आचार्य दीपक शास्त्री ने मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा विधि विधान आरम्भ की। सुबह सर्वप्रथम मंत्रोच्चारण कर दूध, दही, शहद, घी, मिष्ठान, पंचामृत से अभिषेक कराया गया। तदोपरांत महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। इसके बाद मंदिर परिसर में मूर्तियां स्थापित की गई।

मुख्य अतिथि भाजपा महिला जिला मोर्चा अध्यक्ष भारती सैनी ने कलश यात्रा के शुभारम्भ का रिबन काटकर हरी झंडी दिखाते हुए रवाना किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि इस तरह के धार्मिक कार्यों में महिलाओं को बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इससे परिवार व समाज में एकजुटता भी बनती है। साथ ही धार्मिक भावनाओं के प्रति बच्चों में जागृति उत्पन्न होती है। इस युग में आज के युवा बहुत फास्ट हो गए है। धार्मिक कार्यों में भाग लेने की बजाय मोबाइल तक ही सीमित होकर रह गए है।

नारनौल। कलश यात्रा का रिबन काटकर शुभांरभ करती जिला अध्यक्ष भारती सैनी

नारनौल। कलश यात्रा में हिस्सा लेती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा करते हुए फोटो : हरिभूमि

आरपीएस खातोद में बैसाखी त्योहार मनाया

- भोजन को थाली में झूठा न छोड़कर करें किसान का सम्मान : डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

आरपीएस विद्यालय खातोद के मिडिल व प्राइमरी विभाग में बैसाखी त्योहार मनाया गया। इस दौरान विद्यालय को रंग-बिरंगे फूलों और पोस्टरों से सजाया गया। कार्यक्रम की शुभारंभ संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया, जबकि अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने की। कार्यक्रम में सीईओ मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव ने भी बच्चों को बैसाखी पर्व की बधाई व शुभकामनाएं दी। विद्यालय के बच्चों द्वारा वैसाखी पर्व को लेकर भव्य सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि मानव जीवन में त्योहार का बड़ा महत्व है। पर्व हमारे जीवन में नया उत्साह व उमंग लेकर आते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को बैसाखी पर्व के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि हम भोजन को थाली में झूठा न छोड़कर किसान का सम्मान करें।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

राव जय राम डिग्री कॉलेज में मनाई महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती

महेंद्रगढ़। राव जयराम डिग्री कॉलेज में महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती पर समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरमैन डॉ. हरिसिंह ने की, जबकि मुख्य वक्ता निदेशक सुरेन्द्र कुमार उपस्थित रहे। चेयरमैन डॉ. हरि सिंह ने कहा कि महात्मा फूले ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम माना और वंचित वर्गों, विशेषकर महिलाओं और दलितों के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान किए। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को उनके विचारों से प्रेरणा लेकर शिक्षा को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। निदेशक सुरेंद्र कुमार ने कहा कि महात्मा फूले का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मूल्य-आधारित शिक्षा की अत्यंत आवश्यकता है, ताकि युवा केवल पढ़े-लिखे न रहें, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक भी बनें। उन्होंने कहा कि जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा और अवसर नहीं पहुंचते, तब तक विकास अधूरा है। विद्यार्थियों द्वारा महात्मा फूले के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित जनसमूह को गहराई से प्रभावित किया। समारोह का समापन महात्मा फूले के विचारों पर संगोष्ठी से हुआ। सभी ने महात्मा फूले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव सुरजनवास स्थित बीआर ज्ञानदीप स्कूल में विज्ञान विषय पर आधारित साइंस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने भौतिकी, रसायन और जीव विज्ञान जैसे विषयों पर अपने ज्ञान का परिचय देते हुए अत्यंत सराहनीय प्रदर्शन किया। इस आयोजन की मुख्य संयोजक विज्ञान अध्यापिकाएं अविका यादव और अनीता यादव रहीं। जिन्होंने प्रतियोगिता की रूपरेखा तैयार कर उसे सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया। क्विज में पूछे गए सवालों ने छात्रों की तार्किक क्षमता और वैज्ञानिक समझ को उजागर किया। प्राचार्य रामवीर यादव ने छात्रों को विज्ञान में गहन रुचि लेने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि आज की दुनिया विज्ञान और तकनीक की है और ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में नवाचार की भावना विकसित होती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के चेयरमैन रूपराम यादव ने की। प्रतियोगिता की सराहना करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य छात्रों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखना, बल्कि उन्हें व्यावहारिक ज्ञान और प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण भी प्रदान करना है।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते स्कूल विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। लघु सचिवालय में ज्ञापन सौंपते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर डीआरओ को सौंपा ज्ञापन

नारनौल। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन (संबंधित सर्व कर्मचारी संघ) की जिला कमेटी ने कर्मचारियों से संबंधित मांगों को लेकर लघु सचिवालय में प्रदर्शन कर डीआरओ राजेश चौंकर को ज्ञापन सौंपा। इस प्रदर्शन में संगठन की तीनों विभागों सिंचाई विभाग, बी एण्ड आर तथा जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। प्रदर्शन का संचालन जिला सचिव विजेंद्र शर्मा ने किया तथा अध्यक्षता जिला प्रधान कौशल यादव ने की। जिला सचिव विजेंद्र शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि सरकार कर्मचारियों की मांगों को लेकर गंभीर नहीं है, जबकि यह सभी मांगें वाजिब व जायज हैं। यदि इन मांगों पर सरकार ने समय रहते संज्ञान में नहीं लिया तो संगठन आगामी रणनीति के तहत सरकार के खिलाफ आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा।

हैप्पी स्कूल में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के डुलाना रोड स्थित हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में बैसाखी और हनुमान जयंती के अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और मैनेजर चंचल अग्रवाल रहे। कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से पांचवी के विद्यार्थियों में हिस्सा लिया। कक्षा पहली और दूसरी के विद्यार्थियों ने सुनो केसरी के लाल गीत पर अपनी प्रस्तुति दी। वहीं तीसरी से पांचवी के विद्यार्थियों ने आए भगवाधारी गीत पर अपनी प्रस्तुति दी। कक्षा पहली और दूसरी के विद्यार्थियों ने आई बैसाखी, दूसरी और पांचवी के विद्यार्थियों ने चल मेले नू चलिए गाने पर शानदार प्रस्तुति दी। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बैसाखी फसल, नई शुरूआत और सिख समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है। इस महीने में रबी की फसल पककर पूरी तरह से तैयार हो जाती है और उनकी कटाई भी शुरू हो जाती है, जो नवीनता का प्रतीक है। विद्यालय के संचालक सुभाषचंद्र अग्रवाल, उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और मैनेजर चंचल अग्रवाल ने सभी अध्यापकों, छात्रों और उनके अभिभावकों को बैसाखी और महावीर जयंती की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि बैसाखी विद्यार्थियों के लिए एक बहुआयामी त्योहार है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

जिला व उपमंडल स्तर पर वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण व कल्याण न्यायाधिकरणों का गठन

नारनौल। माता पिता व वरिष्ठ नागरिक भरणपोषण व कल्याण अधिनियम 2007 की धारा सात व 15 के तहत प्रदेश सरकार ने उपमंडल व जिला स्तर पर वाद और अपीलों की सुनवाई के लिए न्यायाधिकरणों का गठन कर दिया है। सरकार के गजट नोटिफिकेशन एक अप्रैल के तहत हरियाणा के राज्यपाल ने उक्त न्यायाधिकरणों का पुनर्गठन कर दिया है। उपमंडल स्तर पर उपमंडल अधिकारी सरकारी सदस्य व चेयरमैन होते हैं व दो गैर सरकारी सदस्य होते हैं। अपीलीय न्यायाधिकरण में जिला उपायुक्त सरकारी सदस्य व चेयरमैन तथा दो गैर सरकारी सदस्य होते हैं। जिला के महेंद्रगढ़, नारनौल, कनीना व नांगल चौधरी उपमंडल के न्यायाधिकरों की ओर से पारित आदेश की अपीलों की सुनवाई हेतु गठित न्यायाधिकरण में मनीष वशिष्ठ एडवोकेट व पूर्णचंद गोठड़ी को गैर सरकारी सदस्य बनाया गया है। मनीष वशिष्ठ एडवोकेट जिला बार एसोसिएसन के पूर्व अध्यक्ष हैं व वर्तमान में अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष हैं। मनीष वशिष्ठ पहले भी 2015 से 2018 तक अपीलीय न्यायाधिकरण के सदस्य रह चुके हैं। नारनौल उपमंडल में जय भगवान एडवोकेट व संजय मित्तल, महेंद्रगढ़ उपमंडल में नरेश एडवोकेट जाटवास व वीरेंद्र पालड़ी, कनीना उपमंडल में दिवाकर शर्मा एडवोकेट व कृष्ण सरपंच ककराला तथा नांगल चौधरी उपमंडल में कमलेश शर्मा एडवोकेट व लालाराम भूंगारका को गैर सरकारी सदस्य बनाया गया है।

हनुमान जी को माना जाता है भगवान शिव का 11वां अवतार

हनुमान जयंती पर बन रहा है विशेष संयोग

- भक्तजन अपने आराध्य देव हनुमान जी की पूजा करते हैं और उनसे सुख शांति का मांगते हैं वरदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हनुमान जयंती का मतलब है, भगवान हनुमान जी का जन्मदिन। यह पर्व चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। इस वर्ष हनुमान जयंती 12 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस दिन भक्तजन अपने आराध्य देव हनुमान जी की पूजा करते हैं और उनसे सुख शांति का वरदान मांगते हैं। हनुमान जी को बुराई पर विजय पाने और सुरक्षा प्रदान करने वाले देवता के रूप में पूजा जाता है। इनको महावीर, बजरंगबली, अंजनीपुत्र, मारुति, पवनपुत्र, केसरीनन्दन आदि नामों से भी जाना जाता है। हनुमान जी को भगवान शिव का 11वां अवतार माना जाता है। माता सीता ने हनुमान जी को अजय अमर होने का वरदान प्रदान किया था। अतः आज भी हनुमान जी सभी भक्तों के कष्ट हरने के लिए तैयार रहते हैं।

सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य राजयोग

आचार्य क्रांति निर्मल शास्त्री ने बताया कि इस बार चैत्र शुक्ल पूर्णिमा के दिन शनिवार होने से हनुमान जयंती का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है, क्योंकि शनिवार के दिन बजरंगबली की पूजा पाठ करने से शनि देव जनित कष्टों से भी मुक्ति मिल जाएगी। वहीं इस दिन सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य राजयोग व शुक्र और बुध की युति से लक्ष्मी नारायण राजयोग का निर्माण हो रहा है। इससे वृष, मिथुन और कर्क राशि वालों को विशेष लाभ मिलेगा। इस दिन सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा, बजरंग बाण का विधिपूर्वक पाठ करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है।

गुरु द्रोणाचार्य स्कूल में मनाई महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष अजय कुमार व प्राचार्य नेतराम सैनी ने ज्योतिबा फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार ने अपने वक्तव्य में बताया कि ज्योतिबा एक महान समाज सुधारक, विचारक, लेखक, समाजसेवी व क्रांतिकारी थे। इनका जन्म 1827 में महाराष्ट्र के पुणे में हुआ। देश में सामाजिक क्रांति के अग्रदूत गरीबों, महिलाओं, दलित व पिछड़े वर्ग के उत्थान तथा सामाजिक क्रांति व कुरीतियों को दूर करने के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया।

विद्यालय के प्राचार्य नेतराम सैनी ने अपने संबोधन में बताया कि 19वीं सदी के भारतीय समाज में जात पात, बाल विवाह समेत अनेक कुरीतियां चरम पर थी। महिलाओं व दलित की स्थिति भी काफी दयनीय थी। फुले ने उनके खिलाफ आवाज उठाई। वे बाल विवाह विरोधी और विधवा विवाह के समर्थक थे।

नारनौल। महात्मा ज्योतिबा फुले को नमन करते हुए। फोटो : हरिभूमि